**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**

भारत मौसम विज्ञान विभाग

आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान

जोधपुर, राजस्थान

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 21-02-2023**

**जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-02-21 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2023-02-22 | 2023-02-23 | 2023-02-24 | 2023-02-25 | 2023-02-26 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 33.0 | 34.0 | 32.0 | 33.0 | 34.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 18.0 | 18.0 | 16.0 | 15.0 | 16.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 38 | 37 | 35 | 30 | 23 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 16 | 13 | 15 | 13 | 10 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 8.0 | 9.0 | 9.0 | 8.0 | 6.0 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 104 | 191 | 137 | 180 | 217 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 6 | 4 | 5 | 0 |

## मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 32.0 से 34.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 15.0 से 18.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

## सामान्य सलाहकार:

सरसों की फसल परिपक्वता के करीब या अभी भी परिपक्व अवस्था में हो सकती है, इसलिए किसानों को सलाह दी जाती है कि जब फलियाँ पीली हो जाए और पत्तियाँ गिर जाएँ तो कटाई शुरू कर दें ताकि नुकसान से बचा जा सके।

## लघु संदेश सलाहकार:

आगामी दिनों में आसमान में आंशिक बादल छायें रहने की संभावना हैं।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गेहूँ | समय पर बोयी गयी गेंहूं की फसल अभी दुधिया अवस्था में हैं और इस क्रांतिक अवस्था पर सिचांई करना अति आवश्यक है। खडी फसल में दीमक की रोकथाम हेतु क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. 4 लीटर प्रति हेक्टयर सिचांई के साथ दें। |
| जीरा | शुष्क मौसम की स्थिति को देखते हुए जीरा की फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। |

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| तुरई | ग्रीष्मकालीन तोरई की बुवाई करें बुवाई हेतु उन्नत किस्में:- पूसा नसदार, पूसा चिकनी, अर्का सुजात, अर्का सुमित, पी.आर.जी-1 । एक हैक्टेयर के लिए 5 किलो बीज पर्याप्त होता है। बुवाई के समय 15 किलो नत्रजन, 25 किलो फास्फोरस व 25 किलो पोटास प्रति हैक्टेयर की दर से अन्तिम जुताई के समय खेत में डालें। |
| लहसुन | लहसुन की फसल में 8 से 10 दिनों के अन्तराल पर सिंचाई करें। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| मिर्च | मिर्च की फसल के लिए हरीपुर-रायपुर, आर.सी-1, मथानिया लोकल, पूसा ज्वाला व पंत सी-1 उन्नत किस्मों की पोधशाला में बुवाई करें। एक हैक्टेयर क्षेत्र के लिए पौध तैयार करने हेतु एक से डेढ किलो बीज पर्याप्त रहता है। बुवाई से पूर्व 2 ग्राम केप्टान से प्रति किलो बीज को उपचारित करें। |
| लौकी | लोकी की बुवाई करें बुवाई हेतु उन्नत किस्में:- पूसा समर, पूसा नवीन, पूसा मेघदूत, पंजाब कोमल। लोकी की बुवाई हेतु 4-5 किलो ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर के लिए पर्याप्त है। 60 किलो नत्रजन, 100 किलो फास्फोरस व 80 किलो पोटास प्रति हैक्टेयर की दर से अन्तिम जुताई के समय खेत में डालें। |

## अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

| अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) | अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| सामान्य सलाह | आने वाले दिनों में दिन के बढ़ते तापमान और शुष्क मौसम की स्थिति को देखते हुए फसलों, सब्जियों, फलों आदि में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। |